

**आंशिक समीकरण/समीभवन** पुं. (तत्.) भाषा. समीकरण का वह रूप जिसमें स्वन पूर्ववर्ती या परवर्ती स्वन के अभिलक्षण के अनुसार समीकृत हो जाता है उदा. वाक् के आंशिक समीकरण के कारण वाक्+मय 'बाङ्मय' हो जाता है। partial assimilation

**आँ पुं.** (देश.) विस्मयसूचक शब्द।

**आँक पुं.** (तद्.) 1. अंक, शून्य से नौ तक के अंक या उससे बनी संख्याएँ 2. लक्षण, चिह्न 3. अक्षर, वर्ण 4. लिखावट 5. गोद 6. आलिंगन 7. दृढ़ निश्चय, 8. अंश, भाग, हिस्सा 9. किसी वस्तु पर लिखा मूल्य का संकेत 10. कूट भाषा में लिखा संकेत।

**आँक स्त्री.** (देश.) 1. आँकनेकी क्रिया अथवा आँकने का भाव 2. किसी वस्तु का मूल्य आँकना।

**आँकड़ा पुं.** (तद्.) 1. संख्या, संख्यात्मक विवरण 2. अर्क, आक, मदार का पौधा 3. कंटिया जिससे कुँए में गिरी बाल्टी आदि निकाली जाती है 4. पशुओं की एक बीमारी।

**आँकड़ा बैंक पुं.** (तद्.अं.) कंप्यू. एकत्रित आँकड़ों का संग्रह, जिसका आवश्यकतानुसार उपयोग हो सके data bank

**आँकड़ाविद् वि.** (तद्+तत्.) (आँकड़ा+विद्) किसी विषय के आँकड़ों को समझ कर नियम स्थापित करने वाला व्यक्ति, सांख्यिकीविद्।

**आँकड़ा संचय पुं.** (तद्+तत्.) कंप्यूटर में संचित आँकड़ों और उन पर की जाने वाली संक्रियाओं का समुच्चय (जिनका आवश्यकता पड़ने पर सरलता से उपयोग किया जाता है), आँकड़ा बैंक।

**आँकड़ा-संग्रह पुं.** (तद्+तत्.) अर्थ. 1. तथ्यों को एकत्र कर उनकी संख्यात्मक प्रस्तुति 2. आँकड़ों का समुच्चय, संगृहीत आँकड़े।

**आँकड़े पुं.** (तत्.) 1. गणि. विश्लेषण के लिए प्रयुक्त अथवा विश्लेषण के फलस्वरूप प्राप्त सूचना जो विशेष रूप से अंकों के रूप में होती है 2. कंप्यूटर. अक्षरों, संख्याओं, आकृतियों का समूह जो कंप्यूटर की सूचना के (आधारभूत)

अंग होते हैं। कंप्यूटर से बाहर उनका कोई अर्थ नहीं होता। data

**आँकना स.क्रि.** (तद्.) अंदाज लगाना, मूल्य लगाना, अंकित करना, निशान लगाना, निश्चित करना।

**आँक-बाँक पुं.** (देश.) बिना सिर-पैर की बातें बेतुकी बातें, अट-संट बातें।

**आँकर वि.** (तद्.) 1. गहरा 2. बहुत गहरी स्त्री 3. खेत की गहरी जुताई 4. कठोर 5. महँगा।

**आँकल पुं.** (देश.) चिह्नित बैल, टप्पा लगा हुआ साँड़।

**आँकु पुं.** (तद्.) 1. अक्षर, वर्ण 2. अंक 3. लेख 4. रेखा, लकीर 5. लिपि 6. भाग्य लिपि

**आँकू वि.** (देश.) संख्या, माप, मूल्य आदि का अनुमान लगाने वाला व्यक्ति, आँकने वाला।

**आँख स्त्री.** (तद्.) 1. नेत्र, देखने की इंद्रिय 2. दृष्टि 3. ध्यान 4. पौधों जैसे- ईख, आलू इत्यादि में आँख जैसा स्थान जहाँ से अंकुर फूटता है, अँखुआ 5. सुई का छिद्र 6. आँख जैसा जैसे- मोरपंख की आँख 7. ला.अर्थ. निगाह, दृष्टि पर्या. अक्ष, अक्षि, चक्षु, दृग, नयन, नैन, नेत्र, लोचन मुहा. आँख-आना- आँख में लाली, दर्द व सूजन होना; आँख उठाकर न देखना- ध्यान न देना, कुछ न समझना, बिल्कुल भी न देखना; आँख उमड़ना- आँखों में अचानक आँसू भर जाना; आँख उलट जाना- मर जाना, घमंड होना; आँख ऊँची न होना- लज्जा के कारण, सम्मानपूर्वक देखने का साहस न होना; आँख ऊपर न उठना- नजर नीची रखना, लज्जा या भय से नजर नीचे रहना; आँख कड़ुआना- अधिक जागने या अधिक गौर से देखने से आँख में पीड़ा होना; आँख का अंधा- विवेकहीन; आँख का अंधा, गाँठ का पूरा- मूर्ख धनवान; आँख का अंधा, नाम नयनसुख- नाम-गुण में विरोध; आँख का उलटा हो जाना- ऐश्वर्य के कारण दूसरों को हेय समझना; आँख का काँटा होना- खटकना, पीड़ा देना, कष्टकारी होना; आँख का काँटा बनना- नजर में खटकना,